Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE
PRELIMINARY EXAMINATION (2024-25)
CLASS - X
HINDI

Time – 3 hrs. **M.M. – 80**

Note - The paper comprises two sections 'section A and section B'. Attempt all questions from section A. Attempt any four questions from section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

Section – A **40 marks**

(Attempt All Question From This Content)

Question – 1

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए। **(15)**

(i) अंधविश्वास वर्तमान युग की समस्या है। यह हमारे समाज में बढ़ता ही जा रहा है। यह किस प्रकार हमारे देश व समाज के लिए घातक है? अपने विचार लिखिए।

(ii) जीवन में अध्यापक का क्या महत्त्व है? अध्यापक बनने के लिए आप अपने द्वारा किन गुणों का होना आवश्यक समझते हैं? विचारों द्वारा समझाइए।

(iii) आपके द्वारा की गई किसी पर्वतीय यात्रा का वर्णन कीजिए।

(iv) "परहित सरिस धरम नहीं भाई" उक्ति को आधार बनाकर एक कहानी लिखिए।

(v) प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर लेख अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Question 2

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए। **(7)**

(i) अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए, जिसमें विद्यालय के वार्षिकोत्सव का वर्णन किया गया हो।

(ii) किसी महत्त्वपूर्ण पत्र के प्राप्त न होने की शिकायत करते हुए अपने क्षेत्र के पोस्ट मास्टर को पत्र लिखिए।

Question 3

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए। उत्तर यथासंश्रव आपके अपने शब्दों में ही होने चाहिए।

एक कुएँ में एक मेंढक रहता था। एक बार समुद्र का एक मेंढक कुएँ में आ पहुँचा, तो कुएँ के मेंढक ने उसका हालचाल, अता-पता पूछा। जब उसे ज्ञात हुआ कि वह मेंढक समुद्र में रहता है और समुद्र बहुत बड़ा होता है, तो उसने अपने कुएँ के पानी में एक छोटा-सा चक्कर लगाकर उस समुद्र के मेंढक से पूछा कि क्या समुद्र इतना बड़ा होता है? कुएँ के मेंढक ने तो कभी समुद्र देखा ही नहीं था। समुद्र के मेंढक ने उसे बताया कि इससे भी बड़ा होता है। कुएँ का मेंढक चक्कर बड़ा करता गया और अंत में उसने कुएँ की दीवार के सहारे-सहारे आखिरी चक्कर लगाकर पूछा-"क्या इतना बड़ा है तेरा समुद्र ?" इस पर समुद्र के मेंढक ने कहा-'इससे भी बहुत बड़ा।'" उसने कह
दिया-"'जा तू झूठ बोलता है। कुएँ से बड़ा कुछ होता ही नहीं। समुद्र भी कुछ नहीं होता है, तू बकता है।"
कुएँ में मेंढक वाली कथा इस प्रसंग में चरितार्थ होती है कि जितना अध्ययन होगा, उतना ही अपने अज्ञान का आभास होगा। आज जीवन में पग-पग पर हमें ऐसे कुएँ के मेंढक मिल जाएँगे, जो केवल यही मानकर बैठे हैं कि जितना वे जानते हैं / उसी का नाम ज्ञान है, उसके इधर-उधर और बाहर कुछ भी ज्ञान नहीं है, लेकिन सत्य तो यह है कि सागर की भाँति ज्ञान की भी कोई सीमा नहीं है। अपने ज्ञानी होने के अज्ञानमय भ्रम को यदि तोड़ना हो, तो अधिक-से-अधिक अध्ययन करना आवश्यक है। जितना अधिक अध्ययन किया जाएगा, भ्रम टूटेगा और ऐसा आभास होगा कि अभी तो बहुत कुछ जानना और पढ़ना शेष है।

अध्ययन के विभाग भी तो अनेक हैं। विज्ञान, भूगोल, इतिहास, अर्थशास्त्र, धर्म, दर्शन, साहित्य आदि ऐसे विभाग हैं, जिनके एक भी उपविभाग में व्यक्ति संपूर्णता प्राप्त नहीं कर सकता, तो अनंत विभागों में संपूर्ण होने का प्रश्न ही कहाँ उठता है। हाँ, इतना अवश्य निश्चित है कि अधिकाधिक अध्ययन करते रहने से एक मानसिक परितोष, आनंद और शांति अवश्य प्राप्त होती है। उसके आगे और अध्ययन करने की जिज्ञासा भी उत्पन्न होती है। अधिक अध्ययन करने से मनुष्य के हृदय की संकीर्णता समाप्त हो जाती है तथा उसका दृष्टिकोण उदार होता जाता है। सतत अध्ययनशीलता और दृष्टि की उदारता शनै: शनै: व्यक्ति को पूर्णता और पवित्रता की ओर ले जाती है।

सतत अध्ययन एक ओर नई दिशाएँ देता है, तो दूसरी ओर पुरानी मान्यताएँ दूर कर नई स्वस्थ मान्यताओं की स्थापना में भी सहायक होता है। उदाहरणार्थ, भारत में बैठकर हम पश्चिमी अथवा अन्य किसी समाज व राष्ट्र की सभ्यता की निंदा करते रहते हैं, लेकिन जब उसी सभ्यता को स्वयं आँखों से देखते हैं अथवा उसके विषय में विस्तार से पढ़ते हैं, अध्ययन करते हैं, तो हमारी मान्यताएँ बदल भी जाती हैं। सतत अध्ययन मनुष्य की आंतरिक सत्प्रवृत्तियों को विकसित करता है, शारीरिक, मानसिक और आत्मिक उन्नति द्वारा, मनुष्य की पाशविक प्रवृत्तियों को दूर कर उसे शुद्ध और पवित्र बनाता है; मनुष्य को सच्चे अर्थों में मनुष्यता की प्राप्ति कराता है।

(i) कुएँ के मेंढक को क्रोध कब और क्यों आया? (2)
(ii) अपने ज्ञानी होने के भ्रम को कैसे तोड़ा जा सकता है? (2)
(iii) अधिकाधिक अध्ययन से क्या लाभ होते हैं? (2)
(iv) पुरानी मान्यताएँ कैसे दूर हो सकती हैं? (2)
(v) सच्चे अर्थों में मनुष्यता की प्राप्ति कब संभव होती है? (2)

Question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

(1) "गति" का विलोम बताइए। (1)
(a) दुर्गति (b) अल्पगति (c) शक्ति (d) अवरोध

(2) 'खल' का पर्यायवाची बताइए। (1)
(a) दुर्जन-शत्रु (b) दुष्ट-धूर्त
(c) कुटिल-पंकज (d) तीव्र-विकट

(3) 'घी के दीए जलाना' मुहावरे का अर्थ बताइए। (1)
(a) दिवाली मनाना (b) पूजा अर्चना करना
(c) खुशी मनाना (d) बहुत प्रसन्न होना

(4) 'निज' से भाववाचक संज्ञा बनाइए। (1)
(a) निजत्व (b) निजपन (c) निजी (d) निरा

(5) 'भील' का लिंग बदलिए (1)
(a) भीलनी (b) भिलनी (c) भिली (d) भीले

(6) 'एक' का विशेषण बनाइए (1)
(a) इकहरा (b) एकहरा (c) एकता (d) एकैक

(7) शुद्ध वाक्य लिखिए । (1)
(a) मैं गाय का गरम दूध पीता हूँ
(b) मैं गाय का दूध गरम पीता हूँ
(C) गरम गाय का दूध पीता हूँ
(d) गाय का मै गरम दूध पीता हूँ

(8) निम्नलिखित दिए गए शब्द के वचन बदलें। (1)
तिथि
(a) तिथियाँ (b) तिथिएँ (c) तीर्थ (d) तीथी

Section – B **40 Marks**

(साहित्य सागर-संक्षिप्त क्रहानियाँ)

Question 5.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

गरीब के मुँह, छाती, मुट्ठियाँ और पैरों पर बर्फ की हल्की-सी चादर चिपक गई थी, मानो दुनिया की बेहयाई ढकने के लिए प्रकृति ने शव के लिए सफेद और ठंडे कफन का प्रबंध कर दिया हो। (अपना-अपना भाग्य-जैनेंद्र कुमार)

(1) 'गरीब' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? उसका परिचय दीजिए। (2)
(2) "दुनिया की बेहयाई' से क्या तात्पर्य है? (2)
(3) 'अपना-अपना भाग्य' पाठ के आधार पर बताइए 'दुनिया' की बेहयाई को ढकने के लिए प्रकृति ने किसका प्रबंध किया? (3)
(4) आपके अनुसार बालक की मृत्यु के लिए कौन उत्तरदायी है और क्यों? तर्क सहित उत्तर दीजिए। (3)

Question 6.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

सेठ ने कहा,"संकट में हूँ और एक यज्ञ आपके हाथ बेचने आया हूँ।" इतने में धन्ना सेठ की पत्नी ने आकर सेठ को प्रणाम

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

किया और बोली, "सेठ जी! यज्ञ खरीदने के लिए तो हम तैयार हैं, पर आपको अपना महायज्ञ बेचना होगा।"
(महावज्ञ का पुरस्कार-वशपाल)

(1) सेठ जी किस संकट में थे? स्पष्ठ कीजिए। (2)
(2) धन्ना सेठ की पत्नी के विषय में क्या अफवाह थी? (2)
(3) "महायन्ब का पुरस्कार" कहानी के द्वारा लेखक ने क्या संदेश दिया है? (3)
(4) सेठ के चरित्र की क्या विशेषता थी? (3)

Question 7.

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

उसके पितामह किसी समय बड़े धन-धान्य से संपन्न थे। गाँव का पक्का तालाब और मंदिर जिनकी अब मरम्मत भी मुश्किल थी, उन्हीं के कीर्ति स्तंभ थे। (बड़े घर की बेटी-प्रेमचंद)

(1) प्रस्तुत गद्यांश में 'उसके' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? स्पष्ट कीजिए। (2)
(2) बेनी माधव कौन थे तथा उनके पितामह ने गाँव में क्या बनवाया था? (2)
(3) बेनी माधव सिंह के कितने पुत्र थे? उनके पुत्रों के संदर्भ में अपने विचार लिखिए। (3)
(4) बेनी माधव सिंह की आर्थिक संपन्नता की तुलना ~~कीजिए।~~ उनके पितामह से कीजिए। (3)

(साहित्य सागर - पद्य भाग)

Question 8.

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के,
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली।
दरवाज़े-खिड़कियाँ खुलने लगीं गली-गली,
पाहुन ज्यों आए हो, गाँव में शहर के।
मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के, (मेघ आए--सर्वेश्वर दयाल सक्सेना)

(1) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने प्रकृति की सुंदरता का वर्णन किस प्रकार किया है? (2)
(2) शब्द के अर्थ लिखिए-बयार, पाहुन, मेघ, बन-ठन के। (2)
(3) कविता में पाहुन शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है और क्यों? (3)
(4) बादलों के आने पर कवि ने किन क्रियाओं को चित्रित किया है? (3)

Question 9.

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए

चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे हृदय में है अमृत, मैं सींच दूँगा।
अभिमन्यु-जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुःख मैं अपने हृदय में खींच लूँगा।
(भिक्षुक-सूर्यकांत जिपाठी निराला)

(1)' चाट रहे जूठी पत्तल ..... कुत्ते भी हैं अड़े हुए।' पंक्तियों को आधार बनाकर भिक्षुक की मार्मिक स्थिति का वर्णन कीजिए। (2)
(2) प्रस्तुत पंक्तियों में कवि के अंतर्मन में किसके प्रति संवेदना उत्पन्न होती है तथा वह अपनी प्रतिक्रिया को कैसे व्यक्त करता है? (2)
(3) भिक्षुक तथा उसके बच्चे क्या करने के लिए विवश हैं और क्यों? (3)
(4) 'और झटपट उनसे लेने को कुत्ते भी हैं अड़े हुए।' पंक्ति द्वारा कवि क्या स्पष्ठ करना चाहता है? (3)

Question 10.

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए।

अच्छा हुआ तुम मिल गईं
कुछ रास्ता ही कट गया।
क्या राह में परिचय कहूँ, राही हमारा नाम है।
चलना हमारा काम है।
(चलना हमारा काम है - शिवमंगल सिंह 'सुमन')

(1) राह में चलते हुए कवि का बोझ किस प्रकार कम हुआ तथा उसे हर्ष क्यों हुआ? (2)
(2) 'अच्छा हुआ तुम मिल गईं, कुछ रास्ता ही कट गया।' पंक्ति को स्पष्ठ कीजिए। (2)
(3) शिवमंगल सिंह 'सुमन' अपनी कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए। (3)
(4) कवि को कौन कहाँ मिल गई? उसके मिलने से उसे क्या लाभ हुआ? (3)

****

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE